कान्हा कान्हा आन मिलो | By Pooja Salve

कान्हा ....कान्हा.....
आन मिलो एक बार
देखत देखत राह तिहारी
नैन गए हैं हार

वो गोकुल और मुरली की तानें
तुम जानो या हम पहचाने
जबसे दूर हुए तुम मोहन
लगते हैं ये सब अनजाने
छोड़ हमें इस पार चले गए
क्यूँ मोहन उस पार
कान्हा ....कान्हा.....
आन मिलो एक बार

मन के सारे दु:ख हर लेती
हर लीला तेरी सुख देती
बहा गए जो प्रेम की धारा
वो गोकुल में आज भी बहती
सदियां गुज़री टूट ना पाए
उन रिश्तो के तार
कान्हा ....कान्हा.....
आन मिलो एक बार

आज भी वो सन्देश अमर है
गीता पे दुनिया की नज़र है
जिन राहों पर सबका भला हो
वो तूने दिखलाई डगर है
मंज़िल तभी मिलेगी इन पर
चलेगा जब संसार
कान्हा ....कान्हा.....
आन मिलो एक बार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%86%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a5%8b-by-pooja-salve/